100 मेगावॉट विंड पावर के लिए बीवाईपीएल ने किया समझौता

गुजरात के तटीय क्षेत्रों में हवा से होगा बिजली का उत्पादन

नई दिल्लीः 18 जुलाई। गुजरात के समुद्र तटीय क्षेत्रों में हवा से बनने वाली 100 मेगावॉट बिजली दिल्ली आएगी। विंड पावर के लिए बीवाईपीएल ने एसईसीआई यानी सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के साथ एक समझौता किया है। बीवाईपीएल को यह बिजली, नवंबर 2019 से मिलनी शुरू हो जाएगी और अगले 25 सालों तक मिलती रहेगी। खास बात यह है कि सामान्य बिजली के मुकाबले विंड पावर बीवाईपीएल को लगभग आधी कीमत पर मिलेगी। 2.52 रूपये प्रति यूनिट की दर पर बीवाईपीएल को यह बिजली उपलब्ध होगी। डिस्कॉम को सस्ती बिजली मिलने से अंततः उपभोक्ताओं को ही इसका फायदा होगा।

विंड पावर के क्षेत्र में अब तक के इस सबसे बड़े समझौते के साथ ही, बीएसईएस ने हवा से बनने वाली कुल 400 मेगावॉट बिजली की खरीद का समझौता कर लिया है। इसस पहले, बीआरपीएल ने 250 मेगावॉट और बीवाईपीएल ने 50 मेगावॉट विंड पावर की खरीद का समझौता किया था। और अब फिर, बीवाईपीएल ने अतिरिक्त 100 मेगावॉट विंड पावर के लिए समझौता किया है।

खास बात यह है कि हाल के समझौतों के तहत, इसी साल नवंबर 2018 से बीएसईएस को 100 मेगावॉट विंड पावर मिलने लगेगा। नवंबर 2019 से और 300 मेगावॉट विंड पावर भी बीएसईएस को मिलना शुरू हो जाएगा।

इस बिजली खरीद समझौते की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यहां से न्यूनतम दरों पर विंड पावर की खरीद संभव हो पाएगी। लंबी अवधि के लिए विंड पावर की थोक–खरीद दर औसतन 4.5 रूपये प्रति यूनिट है, जबकि यहां से यह बिजली सिर्फ 2.52 रूपये प्रति यूनिट की दर पर मिल जाएगी। उपभोक्ताओं के लिए प्रतियोगितात्मक दरों पर बिजली की खरीद के अलावा, इस विंड पावर से बीएसईएस को डीईआरसी द्वारा तय रिन्युएबल परचेज ऑब्लिगेशंस यानी आरपीओ को पूरा करने में भी मदद मिलेगी।

दरअसल, दिल्ली की आबोहवा ऐसी है कि यहां खासकर गर्मियों के दौरान 24 घंटे में दो बार बिजली की डिमांड उच्चतम स्तर पर जाती है। गुजरात के तटीय इलाकों से विंड पावर आने से रात में बिजली की पीक डिमांड को पूरा करने में मदद मिलेगी।

बीएसईएस प्रवक्ता के मुताबिक – बीएसईएस डिस्कॉम्स पर्यावरण के प्रति काफी संवेदनशील हैं और दीर्घकालिक/ सस्टेनेबल विकास की दिशा में कार्य कर रही हैं। दिल्ली में अक्षय ऊर्जा के इस्तेमाल को प्रोत्साहन देने के साथ–साथ बीएसईएस डिस्कॉम्स इस बात के लिए भी प्रतिबद्ध है कि उपभोक्ताओं पर इस का न्यूनतम बोझ पड़े। इसीलिए, बीएसईएस सभी विकल्पों को तलाशकर, काफी कम कीमतों पर अक्षय ऊर्जा की व्यवस्था कर रही है। विंड पावर के लिए 2.52 रूपये प्रति यूनिट की दर पर हुआ यह समझौता बीएसईएस द्वारा किए जा रहे ऐसी ही प्रयासों का एक उदाहरण है।

दरअसल, यह एसईसीआई द्वारा किया गया अब तक का सबसे बड़ा ऑक्शन है, जिसके तहत गुजरात के कच्छ में विंड पावर के डेवलपर्स के साथ बैक–टु–बैक पावर परचेज एग्रीमेंट्स साइन किए गए हैं। भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय द्वारा एसईसीआई यानी सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया को नोडल एजेंसी के तौर पर चुना गया है। टैरिफ

आधारित प्रतियोगितात्मक बिडिंग प्रक्रिया के लिए निर्धारित दिशा–निर्देशों के तहत, यह, ग्रिड से जुड़े विंड पावर प्रोजेक्ट्स से बिजली की खरीद के लिए मध्यस्थ खरीदार के तौर पर कार्य करेगी।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनियां बीआरपीएल और बीवाईपीएल रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के बीच संयुक्त उद्यम हैं।

.....